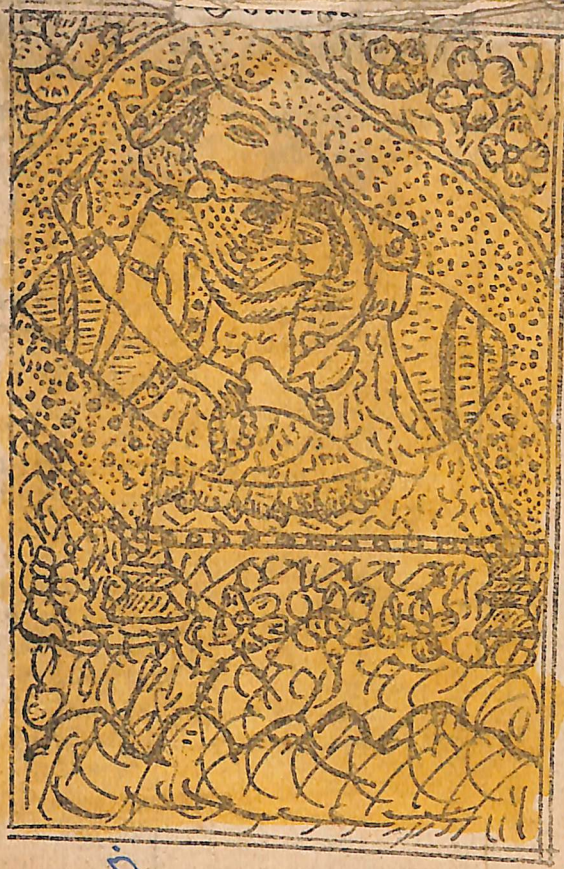

ॐ

नमो विघ्नकर्त्रे ॥ मूषिक

ॐ सुमुखाय नमः ॥ ॐ अथ अद्य भक्त्या कलिं
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] मेष

[illegible] ॥ ॥ ॥

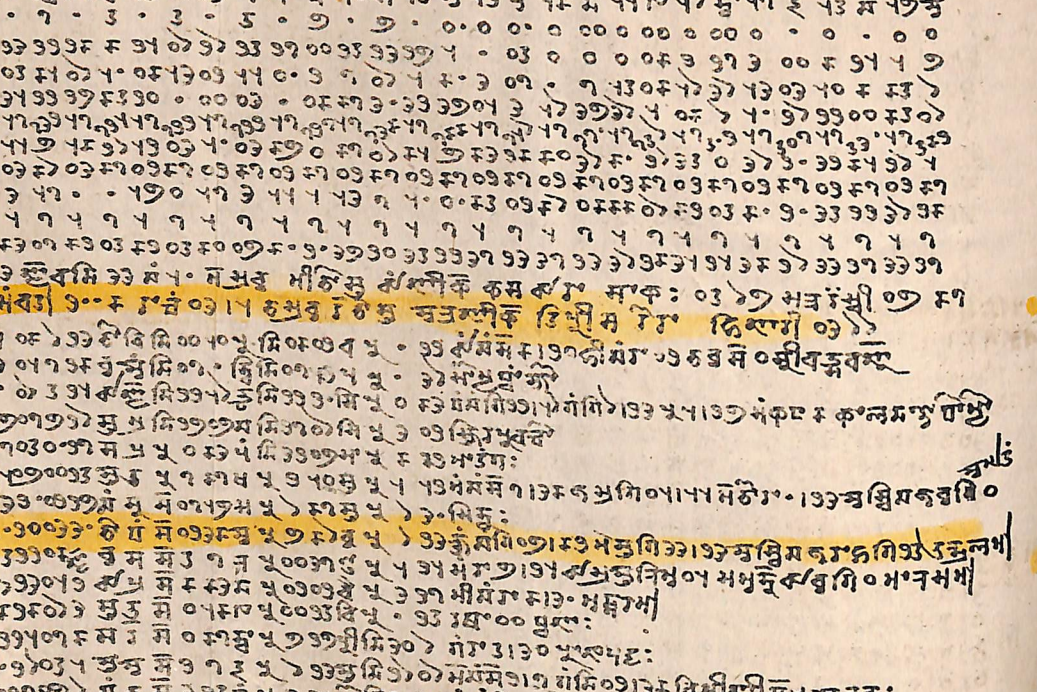

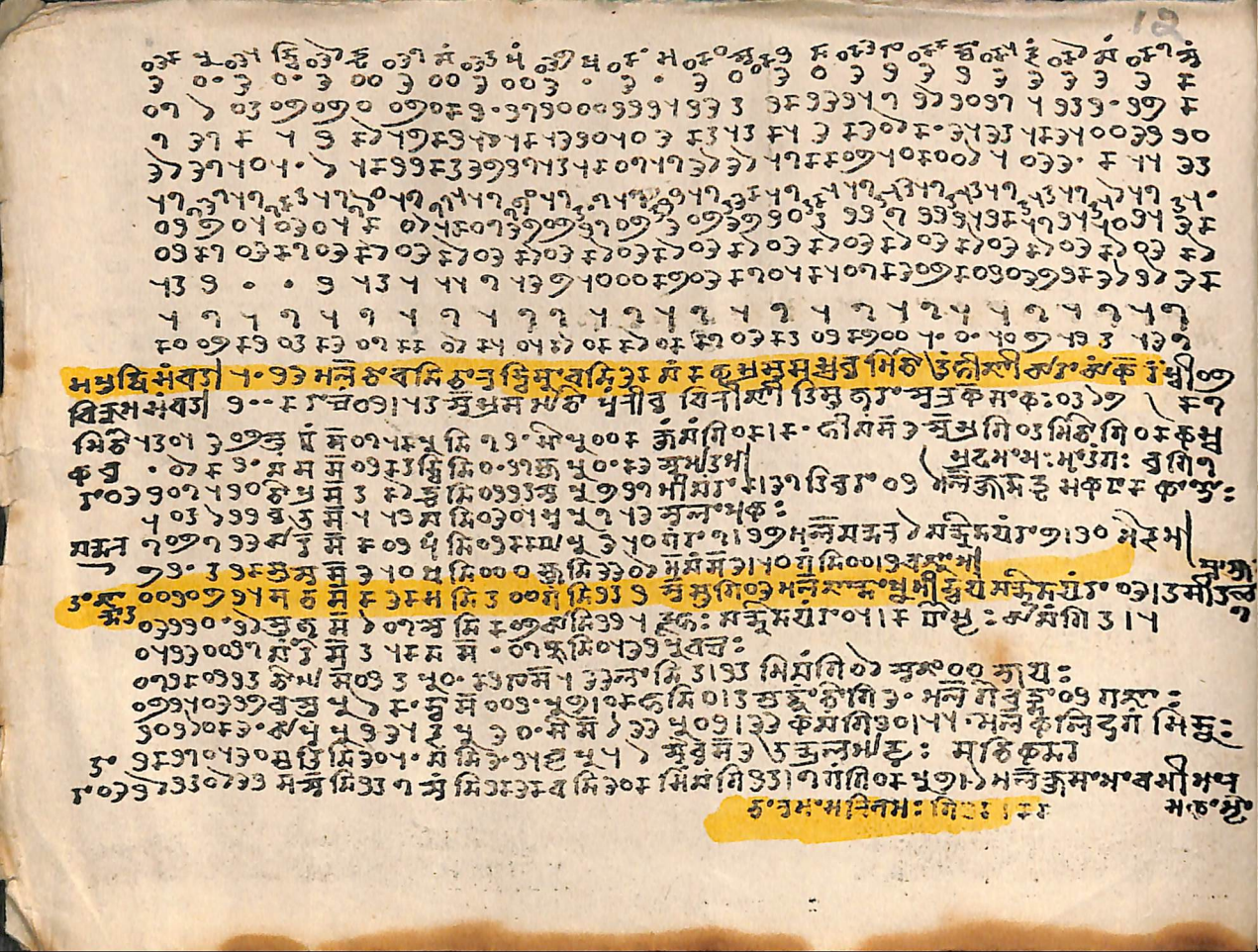

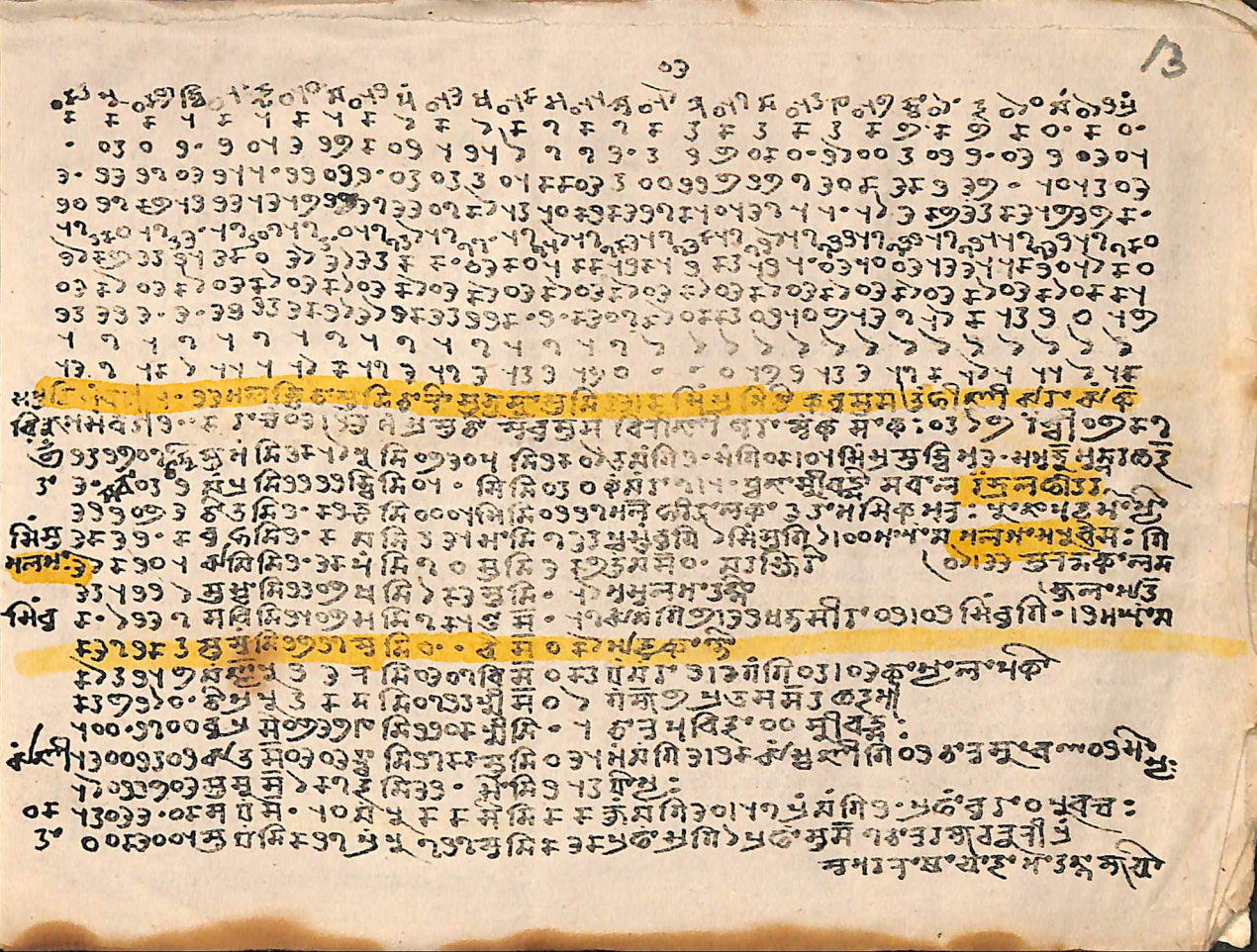

मध्यमं मंगल ॥ ०३ भ॰ नक्षत्रं ३ मं॰ १ कं भुक्तिः मिं॰ ६ उंडक पं॰ ६ भो॰ मा॰ मांक: ०३ १७

विक्रम संवत् ३० ॥ ३ ॥ चं॰ ०१ । ३३ चक्रप्र मध्यं कर्वीस विकभुक्त ॥ ॥ प्रलं॰ ६ ज्या॰ ३ भ्री ०७ ॥ ३

३१ ०१ ०४ मं॰ ६ ॥ ३ भुक्ति ०१ भि॰ ०१ भिमं॰ ०१ भि॰ ०१ भि॰ ०१ भि

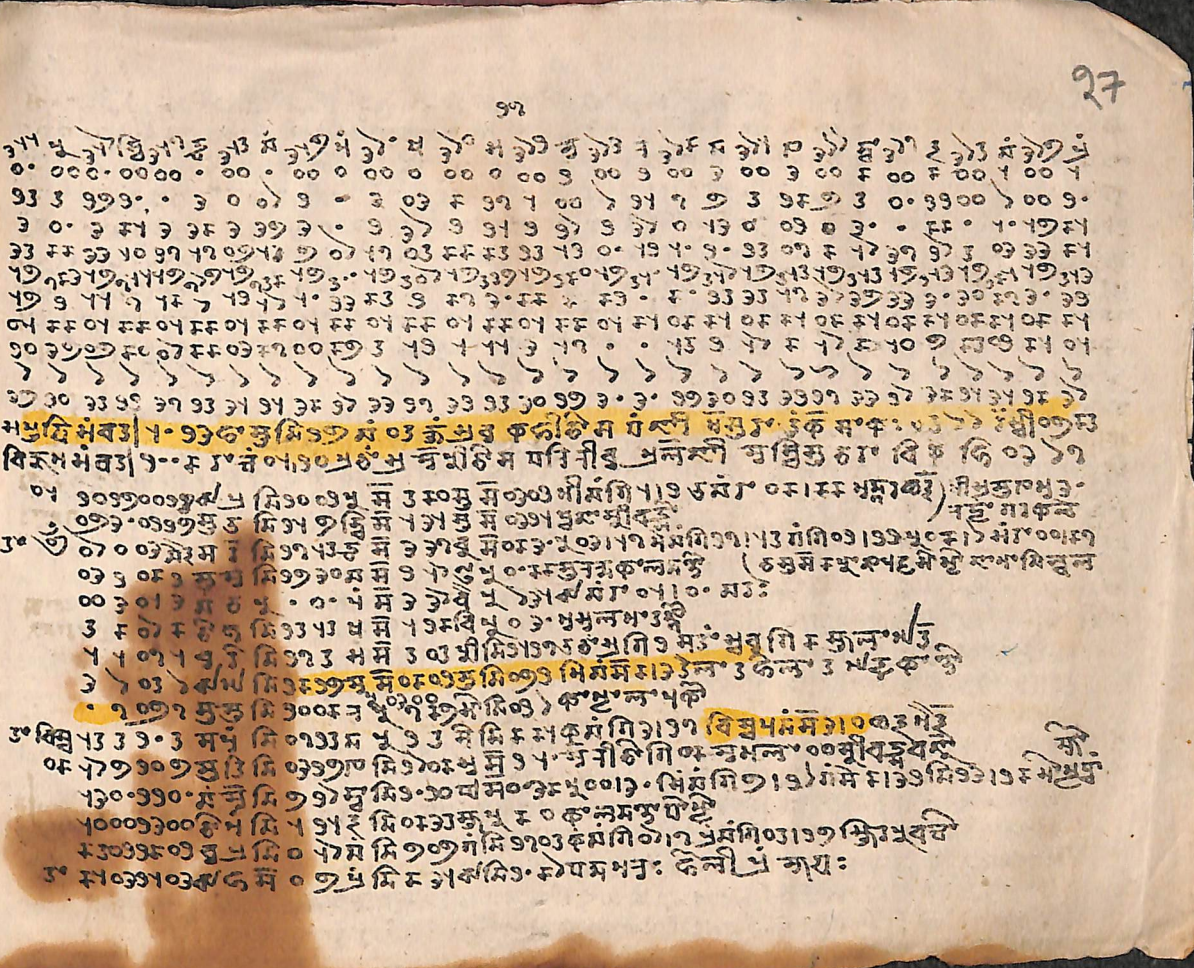

| | | |

| | | |

| | | |

| | | |